लीची स्टिंक बग (बदबूदार बग) के प्रकोप से बचाव के लिए सलाह

लीची के किसानों को अब सावधान हो जाने का वक्त आ गया है। लीची के बागों में पिछले वर्ष की भाँति इस बार भी लीची के मंजर एवं फलों को चट करने वाला स्टिंक बग नामक नाशीकीट (*टेस्साराटोमा जावानिका* प्रजाति) के हमले का समय आ गया है। अगर अभी से इसके बचाव को लेकर सावधान नहीं हुए तो भारी क्षति उठानी पड़ सकती है। राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के निदेशक, डॉ. बिकाश दास ने इनसे बचाव के लिए किसानों को अभी से ही सामूहिक प्रयास आरंभ करने की सलाह दी है। स्टिंक बग कीट के नवजात और वयस्क दोनों ही खाऊ-रूप से पौधों के ज्यादातर कोमल हिस्सों, बढ़ती कलियाँ और कोमल अंकुर से रस चूसते हैं जिससे ये सूख जाती हैं और बाद की अवस्था में फल काले पड़ जाते हैं। रस चूसने के परिणामस्वरूप फूल और फल गिरते हैं। वयस्कों का झुण्ड लीची वृक्ष पर फरवरी के पहले सप्ताह से शुरू होता है, और फरवरी के दूसरे सप्ताह के दौरान अंडे का समूह नवोदित पत्तियों की निचली सतह पर देखा जा सकता है। वयस्क और नवजात दोनों ही अशांत किये जाने पर आक्रामक गंध को बाहर निकालने में सक्षम होते हैं। केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक (पादप रोग), डॉ विनोद कुमार का कहना है कि स्टिंक बग के प्रकोप से बचाने के लिए अभी उपयुक्त समय है। साथ ही एक दूसरी कीट 'फ्लावर वेबर' के प्रकोप की भी शुरुआत अभी होती है । फ्लावर वेबर कीट मंजर और बढ़ते फलों को खट्टे हैं जिससे मंजर झुलसे प्रतीत होते हैं। अनुसंशित कीटनाशी का छिड़काव कर लीची की फसल को 'स्टिंक बग' और 'फ्लावर वेबर' कीट से बचाना अत्यंत आवश्यक है नहीं तो त्राहिमाम की स्थिति आ सकती है।

कैसे करें बचाव:

वर्तमान प्रबंधन रणनीतियाँ कीटनाशक के छिड़काव (स्प्रे) पर निर्भर हैं। राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर द्वारा अनुशंसित निम्नलिखित में से किसी भी कीटनाशक संयोजन का दो छिडकाव करें:

- थियाक्लोप्रिड 21.7% एससी (0.5 मिली/ली) + फिप्रोनिल 5% एससी (1.5 मिली/ली) प्रति लीटर पानी या
- थियाक्लोप्रिड 21.7% एससी (0.5 मिली/ली) + प्रोफेन्फोस 50% एससी (1.5 मिली/ली) प्रति लीटर पानी

पहला स्प्रे 7 से 10 फरवरी और दूसरा स्प्रे 17 से 20 फरवरी के बीच करें। जब भी कोई कीटनाशक छिड़काव किया जाये, तो जमीन पर गिरे हुए कीटों को झाड़ू से इकट्ठा किया जाना चाहिए और यांत्रिक (मैन्युअल) रूप से एक गड्ढे में डालकर और मिट्टी से ढँककर नष्ट कर देना चाहिए। कीटनाशी के घोल में स्टीकर का इस्तेमाल 0.4 मिली/लीटर की दर से करें।

इस संदर्भ में आवश्यक जानकारी केन्द्र के निदेशक डॉ बिकाश दास(94318 13884) या संबन्धित वैज्ञानिक (9162601559, व्हाट्सप्प 7808905961) से किसान संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

छायाचित्रः 1. मुलायम टहनी से रस चूसते लीची बदबूदार बग, 2. फलों पर बग का क्लोज–अप दृश्य, 3. वयस्क बग, 4. एवं 5. बग से प्रभावित मंजर और फल, और 6. फलों पर बग के रस चूसने से हुई क्षति के लक्षण